अखबार वो जो दिखाता है सच

हिन्दी दैनिक

तेजयुग न्यूज़

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

• वर्ष/year : 01 • अंक/issu : 66 • पृष्ठ/page 12 • मूल्य/rate : 3 ₹

• गुरुवार, 07 मार्च, 2024
• Thrasday, 07 March, 2024

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

लालू प्रसाद के एक बयान ने बदल दी मोदी की भाषा

अब बिना किसी का नाम लिये किया हमला

- पिछले चुनाव का नतीजा भाजपा के सामने
- किसी को महत्व नहीं देने की भी राजनीति
- छात्रों के साथ नदी के नीचे से मेट्रो सफर

तेजयुग न्यूज

कोलकाता: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब चुनावी मोड पर हैं, यह पहले से पता है। कोलकाता में उनके बयान में पहली बार देखा गया कि उन्होंने बिना किसी का नाम लिये गठबंधन पर हमला किया। इससे समझा जाता है कि लालू प्रसाद के एक बयान ने पूरी भाजपा को संभलकर बोलने के लिए मजबूर कर दिया है। वैसे कई लोगों के मुताबिक, मोदी खुद जनता के मन में यह धारणा बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके करीब कोई नहीं है। किसी का नाम लेने से तुलना शुरू हो सकती है। ममता बनर्जी, राहुल गांधी, अभिषेक बनर्जी को दीदी ओ दीदी या शहजादा या भतीजा कहने से वह बच रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता के खिलाफ दीदी ओ दीदी का क्या हश्र हुआ था, यह भी भाजपा को पता है।

बुधवार को बारासत में बैठक के साथ मोदी ने पिछले छह दिनों में बंगाल में तीन बैठकें कीं। आरामबाग की बैठक में उन्होंने कई बार 'दीदी' कहा। लेकिन कृष्णानगर और बारासात की सभाओं में वे उस रास्ते पर बिल्कुल नहीं चले। बल्कि प्रधानमंत्री ने नेताओं पर हमला न करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर बीजेपी विरोधी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधा है। बुधवार को बारासत की महिलाओं की रैली में मोदी ने कहा, जहां भारत की सरकार है, वहां देश का विकास बाधित हो रहा है। केंद्र जो विकास कार्यक्रम चला रहा है, सरकारें उन्हें लागू नहीं होने दे रही हैं। उस आधार पर मोदी ने कहा, तृणमूल का नाम बंगाल में भी स्वीकार कर लिया गया है। वे किसी भी विकास कार्य को तेजी से नहीं होने दे रहे हैं। राज्य सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत 14 लाख लोगों के आवेदन रोक दिये हैं। प्रधानमंत्री ने बारासात की सभा से उन राज्यों में लोकसभा चुनाव में कमल खिलाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन को हराना ही होगा।

दो दिन पहले राजद प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने मोदी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, वह (मोदी) निःसंतान हैं। उसका कोई परिवार नहीं है। इसीलिए वह परिवार से इतना नाराज है। लेकिन हम क्या कर सकते हैं? मोदी ने कहा, ये भारतीय नेता मेरे परिवार पर सवाल उठा रहे हैं। वे जानना चाहते हैं कि मेरा परिवार कहां है? मैं कहता हूं, ये माताएं-बहनें, ये देश के 140 करोड़ लोग- ये मेरा परिवार है। पिछले छह दिनों की तीन बैठकों में मोदी के मुंह से भतीजा या भाई शब्द तक नहीं सुना गया।

मोदी ने आगरा मेट्रो को वर्चुअली दिखायी हरी झंडी

आगरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कोलकाता से आगरा मेट्रो का वर्चुअली लोकार्पण किया। श्री मोदी के झंडी दिखाते ही आगरा मेट्रो के नाम एक अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। यह देश की पहली मेट्रो बन गई है, जो तय समय से नौ महीने पहले ही ट्रैक पर दौड़ने लगी। इसके प्राथमिक भूमिगत सेक्शन का निर्माण 32 महीने में होना था, लेकिन यह 23 महीने में ही बनकर तैयार हो गया। गुरुवार से आम जनता के लिए यात्री सेवा आरंभ हो जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मेट्रो में सफर भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ताजमहल स्टेशन से ताज पूर्वी स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन में सफर किया। उनके साथ जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे।

उत्तर बंगाल के भाजपा के किला में दरार नजर आने लगे

कूचबिहार के महाराज अब अमित शाह से नाराज

- मुझे डस्टबीन बनाकर रख दिया है
- इलाके में राजवंशी वोटों का दबदबा

तेजयुग न्यूज

सिलिगुड़ी: कूच बिहार के महाराजा अनंत रॉय को मनाने के लिए भाजपा को काफी कुछ करना पड़ा था। उत्तर बंगाल के इस इलाके में राजबंशी वोटों को आकर्षित करने के उद्देश्य से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद अनंत से मिलने महाराज के असम स्थित घर गए। शाह की बात चीत के तौर तरीके से नाराज अनंत अब भाजपा के राज्यसभा सांसद होने के बावजूद भी पार्टी से नाराज हैं। कुछ महीने पहले राजवंशी बहुल धूपगुड़ी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को अपनी जीती हुई सीट गंवानी पड़ी थी। नतीजतन यह नहीं कहा जा सकता कि राजवंशी वोटों पर भाजपा का पूरा दबदबा है। ऐसे में अनंत ने पार्टी के खिलाफ कदम उठाया है। उन्होंने कहा, भाजपा ने मुझे सांसद तो बनाया लेकिन मेरा सम्मान नहीं किया। कूड़ेदान की तरह छोड़ दिया। मैंने कूचबिहार में भाजपा कार्यालय भी नहीं देखा है। उनके करीबियों का कहना है कि रविवार को अनंत के पास शाह का फोन आया था। इसके बाद से गुस्सा और बढ़ गया है। अनंत के करीबी लोगों का यह भी दावा है कि शाह ने धमकी भरे लहजे में बात की थी। अनंत ने इस संदर्भ में कहा, अमित शाह जी ने मुझे फोन किया।

हापुड़ **पारा** अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00 °C°C	11.00 °C°C

सूर्यास्त (आज) ›› 17 .10 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 06 .25 बजे

नवविवाहित जोड़े समेत एक ही परिवार के पांच की मौत

नंद्याला : आंध्र प्रदेश के नंद्याला जिले के नल्लागाटला गांव में बुधवार तड़के एक कार की लॉरी से हुई टक्कर में नवविवाहित जोड़े सहित एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। अल्लागड्डा ग्रामीण सर्कल इंस्पेक्टर हनुमंत नाइक ने कहा कि नवविवाहित जोड़े और दूल्हे के माता-पिता सहित एक परिवार के पांच सदस्य हैदराबाद से तिरुमला मंदिर दर्शन के लिए गए थे। जब वे वापस हैदराबाद जा रहे थे तो उनकी कार ने एक लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में रवींद्र, उनकी पत्नी लक्ष्मी, उनके बेटे बालाकिरण, बहू काव्या और दूसरे बेटे उदय किरण की मौत हो गई। बालाकिरण और काव्या की शादी 29 फरवरी को हुई थी। यह परिवार हैदराबाद का निवासी था। कार का ड्राइवर लॉरी को देख नहीं सका और उसने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। कार की रफ्तार तेज होने के कारण सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चालक को नींद आने और घने कोहरे में कम दृश्यता के कारण यह दुर्घटना हुई।

झारखंड के पूर्व सीएम की प्राथमिकी पर अब पुलिस की कार्रवाई

चार चैनलों के पत्रकारों को जांच में बुलाया गया

तेजयुग न्यूज

रांची: झारखंड पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामले में नई दिल्ली स्थित चार समाचार चैनलों के पत्रकारों को तलब किया है। मिली जानकारी के मुताबिक इन पत्रकारों ने शुरू में 29 जनवरी को सोरेन के दिल्ली आवास से ईडी द्वारा बीएमडब्ल्यू कार और 36 लाख रुपये नकद जब्त किए जाने की खबरें चलाई थीं।

अब पत्रकारों से खबर के स्रोत के बारे में पूछताछ की जाएगी। उन्होंने कहा कि समन पिछले महीने किसी समय जारी किए गए थे। अपनी गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले, 31 जनवरी को, सोरेन ने रांची पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि ईडी ने उन्हें और उनके पूरे समुदाय को परेशान करने और बदनाम करने के लिए 29 जनवरी को दिल्ली में उनके आवास पर तलाशी अभियान चलाया था। सोरेन ने अपनी शिकायत में लिखा है कि ईडी के अधिकारियों ने तमाशा बनाने और आम जनता की नजरों में उनकी बदनामी का कारण बनने के लिए तलाशी के बारे में मीडिया को सूचित किया था। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने कहा, हमने चार मीडिया चैनलों न्यूज18, जी न्यूज, आज तक और न्यूज 24 के पत्रकारों को समन जारी किया है।

हमने उनसे जांच के लिए रांची आने को कहा था, हालांकि, उन्होंने जवाब दिया कि वे नहीं आ सकेंगे. तो, हम उनके पास जायेंगे। एफआईआर में ईडी के अतिरिक्त निदेशक कपिल राज, सहायक निदेशक देवव्रत झा और दो अन्य अधिकारियों - अनुमान कुमार और अमन पटेल - और अन्य अज्ञात अधिकारियों का नाम शामिल है। सोरेन ने कहा था कि जब वह रांची पहुंचे तो देखा कि इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में खबर चल रही थी कि नयी दिल्ली में झारखंड भवन और शांति निकेतन में तलाशी अभियान चलाया गया है. सोरेन ने कहा कि यह उन्हें और उनके पूरे समुदाय को परेशान करने और बदनाम करने के लिए किया गया है।

राष्ट्रद्रोह का अपराध पांच वर्षों बाद खारिज हो गया

दिव्यांग प्रोफसर जीएन साईबाबा रिहा किये गये

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: भारत में माओवादी संबंधों के आरोप में जेल में बंद विकलांग अकादमिक को रिहा कर दिया है। एक अदालत ने कथित तौर पर माओवादी विद्रोहियों से संबंध रखने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक विकलांग शिक्षाविद् और चार अन्य को बरी कर दिया है। जीएन साईबाबा, जो कमर से नीचे तक लकवाग्रस्त हैं, को

2017 में राज्य के खिलाफ विद्रोह छेड़ने के लिए दोषी ठहराया गया था। उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया था। महाराष्ट्र राज्य की एक अदालत ने 2022 में उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन भारत की शीर्ष अदालत ने आदेश को निलंबित कर दिया था और दोबारा सुनवाई के लिए कहा था। मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने श्री साईबाबा और अन्य को बरी कर दिया और उनकी उम्रकैद की सजा को रद्द कर दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर, श्री साईबाबा को पहली बार 2014 में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का सदस्य होने का आरोप लगने के बाद गिरफ्तार किया गया था। माओवादी विद्रोहियों का कहना है कि वे कम्युनिस्ट शासन और आदिवासी लोगों और ग्रामीण गरीबों के अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। श्री साईबाबा ने आदिवासी क्षेत्रों की यात्रा की थी ।

पेंटर को दोनों हाथ वापस दिये डाक्टरों ने

अंगदान का श्रेष्ठ उदाहरण दिल्ली में स्थापित हुआ

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: अंगदान का श्रेष्ठ उदाहरण के साथ साथ डाक्टरों की कुशलता का एक नया रिकार्ड स्थापित हुआ है। यहां के सर गंगा राम अस्पताल में इसे अंजाम दिया गया है। इसके तहत एक 45 वर्षीय पेंटर को उसके दोनों हाथ मिल गये हैं। डाक्टरों की टीम ने अंगदान करने वाली महिला के हाथों का प्रत्यारोपण किया है। डाक्टरों की टीम के मुताबिक इस व्यक्ति को जल्द ही अस्पताल से रिहा भी कर दिया जाएगा। एक दुखद दुर्घटना में दोनों हाथ खोने वाला एक चित्रकार फिर से अपना ब्रश पकड़ने वाला है, सर्जिकल उत्कृष्टता के लिए धन्यवाद दिल्ली के डॉक्टरों के एक समूह और एक महिला के अंगदान के संकल्प ने चार जिंदगियां बदल दीं।

45 वर्षीय व्यक्ति, जिसका मामला दिल्ली में पहला सफल द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण है, को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। 2020 में एक ट्रेन दुर्घटना में उन्होंने अपने दोनों हाथ खो दिए थे। इस स्थिति में उनका भविष्य अंधकारमय था क्योंकि वह इसी पेंटिंग के जरिए ही अपनी रोजी रोटी कमाते थे। लेकिन चमत्कार होते हैं. दक्षिण दिल्ली के एक प्रमुख स्कूल की पूर्व प्रशासनिक प्रमुख मीना मेहता, जिन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया गया था, 45 वर्षीय व्यक्ति की मदद के लिए आगे आईं। सुश्री मेहता ने अपने जीवनकाल के दौरान, अपने अंगों को उनकी मृत्यु के बाद उपयोग करने का वचन दिया था।

उसकी किडनी, लीवर और कॉर्निया ने तीन अन्य लोगों का जीवन बदल दिया है। और उसके हाथों ने एक करारी हार के बाद एक चित्रकार के सपनों को पुनर्जीवित कर दिया है। लेकिन यह डॉक्टरों की टीम की कड़ी मेहनत के बिना संभव नहीं था, जिन्होंने अत्यंत कठिन कार्य को अंजाम दिया। सर्जरी, जिसमें 12 घंटे से अधिक समय लगा, में दाता के हाथों और प्राप्तकर्ता की भुजाओं के बीच प्रत्येक धमनी, मांसपेशी, कण्डरा और तंत्रिका को जोड़ना शामिल था।

चुनावी बॉंड पर एसबीआई की दलीलों से सहमत नहीं हैं विशेषज्ञ

सिर्फ किसी को छिपाने की दलील है यह

- खरीद से भूनाने तक की प्रक्रिया आसान
- कोई चाहे तो एक क्लिक से जान सकता है
- आम ग्राहक का लेनदेन भी डिजिटल है आज

तेजयुग न्यूज

नईदिल्ली: सुप्रीम कोर्ट द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी सरकार की चुनावी बांड योजना को रद्द करने और दानकताओं और लेनदेन के विवरण को सार्वजनिक करने का आदेश देने के तीन सप्ताह बाद, बांड को संभालने के लिए अधिकृत एकमात्र बैंक, भारतीय स्टेट बैंक ने एक आवेदन दायर किया। उसने कहा है कि उक्त डेटा को प्रकट करने के लिए 30 जून तक समय विस्तार चाहिए। इस मामले पर नजर रखने वालों का कहना है कि इतने दिनों तक चुप्पी साधे रखने के बाद सुप्रीम कोर्ट में आवेदन देना ही गलत है। अगर वाकई ऐसी बात थी को फैसले के तुरंत बाद एसबीआई ऐसा आवेदन दे सकती थी। दरअसल इस फैसले को पहले से ही सरकार के लिए एक झटके के रूप में देखा जा रहा है, कार्यकताओं, राजनीतिक पर्यवेक्षकों और विपक्षी दलों ने तुरंत एसबीआई द्वारा बताई गई समयसीमा की ओर इशारा किया, इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि आम चुनाव समाप्त होने तक डेटा का खुलासा नहीं किया जाएगा।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), चुनावी बांड मामले में चार याचिकाकताओं में से एक, विस्तार के लिए एसबीआई की याचिका को चुनौती देने के लिए तैयार है, कांग्रेस ने सवाल किया कि 30 जून तक रोक लगाने के लिए एसबीआई पर कौन दबाव डाल रहा था। कहा गया है कि यह सारा डेटा जो सिर्फ एक क्लिक से सामने आ सकता है। पूरे मामले की जानकारी रखने वालों के मुताबिक एसबीआई ने यह चुनावी बॉंड देश के 29 शाखाओं से जारी किये हैं। एक विशेषज्ञ ने कहा, जब आप चुनावी बांड खरीदते हैं, तो आपको एसबीआई की उन 29 शाखाओं में से एक में जाना होगा जहां बांड बेचे जाते हैं।

अफगनिस्तान ने अमेरिका पर लगाया हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का आरोप

काबुल: अफगानिस्तान के सेना प्रमुख कारी फसीहुद्दीन फितरत ने अमेरिका पर उनके देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अमेरिका के पायलटरहित विमान कई बार अफगानिस्तान की वायु सीमा में घुसते हैं। स्थानीय मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने बुधवार को श्री फितरत के हवाले से कहा, अमेरिकी ड्रोन कभी-कभी अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरते हैं। ड्रोन कभी-कभी गश्त करते हैं और अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र पर अब भी अमेरिकियों का कब्जा है। सेना प्रमुख ने पड़ोसी देशों में से एक को अमेरिका को अफगानिस्तानी हवाई क्षेत्र में अपने क्षेत्र से पायलट रहित विमानों को संचालित करने की अनुमति देने के लिए दोषी ठहराया लेकिन उस देश के नाम का खुलासा नहीं किया।

51 यात्री लेकर कपिलवस्तु से काठमांडो जा रही बस नदी में गिरी, छह की मौत

तेजयुग न्यूज

काठमांडो : उत्तराखंड की सीमा से सटे नेपाल में एक बस के नदी में गिरने से छह यात्रियों की मौत हो गई। बस कपिलवस्तु से काठमांडो जा रही थी। गंभीर रूप से घायल सात लोगों को काठमांडो भेजा गया है। अन्य का गजुरी के अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसा बुधवार सुबह पांच बजे दाढिंग के गजुरी गांव पालिका पांच के घाटबेंसी नामक स्थान पर हुआ। जिला प्रहरी कार्यालय धाढिंग के प्रहरी प्रवक्ता प्रहरी उप निरीक्षक संतुलाल प्रसाद जायसवाल ने बताया कि बस में 51 यात्री सवार थे।

उन्होंने बताया कि अब तक 38 सवारियों को नदी से बाहर निकाला गया है। बस चालक 38 वर्षीय हरीराम हरीजन निवासी रुपंदेही लुंबिनी संस्कृति नगरपालिका नौ को नेपाल प्रहरी ने पकड़ लिया है। उससे हादसे के कारणों की पूछताछ की जा रही है।